चक्रधर समारोह 2024

लोक श्रृंगार भारती के कलाकारों ने गेड़ी नृत्य की रोचक प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही बटोरी

रायगढ़

चक्रधर समारोह के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गेड़ी नृत्य प्रस्तुति ने खूब वाहवाही बटोरी। बिलासपुर से आए लोक श्रृंगार भारती गेड़ी नृत्य दल ने संचालक अनिल कुमार गढ़ेवाल के नेतृत्व में शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। दर्शकों ने लंबे अरसे बाद सामूहिक गेड़ी नृत्य देखा और इसका भरपूर आनंद उठाया।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने किया गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का सम्मान

39वें चक्रधर समारोह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक नृत्य गेड़ी की सुंदर प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का शॉल और श्रीफ़ल तथा स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री एवं स्थानीय विधायक ओपी चौधरी, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, संचालक संस्कृति विभाग विवेक आचार्य, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि गेड़ी लोक नृत्य छत्तीसगढ़ राज्य की पुरातन लोक संस्कृति मे से एक है। जिसे हरेली पर्व के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य के विद्वानों एवं बुजुर्गो की ऐसी मान्यता रही है कि गेड़ी नृत्य लगभग 2000 वर्ष से भी अधिक पुराना लोक नृत्य है। इस नृत्य परंपरा को लोक श्रृगार भारती के लोक कलाकारों ने फिर से जीवित किये हैं और इसका संरक्षण कर रहे है। गेड़ी लोक नृत्य दल को उड़ीसा राज्य के कटक जिला में आयोजित राष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में 215 दलो की भागीदारी में प्रथम स्थान प्राप्त हो चुका है। वैसे ही उत्तरप्रदेश के बरेली शहर में आयोजित उत्सव में 200 दलों की भागीदारी में प्रथम स्थान तथा पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर में आयोजित राष्ट्रीय गीत एवं नृत्य, नाट्य प्रतियोगिता में 195 दलों की भागीदारी में गेड़ी नृत्य को प्रथम स्थान प्राप्त हो चुका है।

अभी तक उनकी टीम द्वारा गेड़ी लोक नृत्य का प्रदर्शन भारत वर्ष के 13 राज्यों में किया जा चुका है। गेड़ी नृत्य दल की सबसे बड़ी खास बात यह है कि आज के आधुनिक युग में भी इस नृत्य दल में आपको आधुनिकता का एक अंश भी नजर नहीं आया। इस कला को प्रदर्शित करने वाले लोक कलाकारों का नाम है- दल प्रमुख तथा मुख्य गायक अनिल कुमार गढेवाल, संजय रात्रे, मोहन डोंगरे, रामगोपाल कलियारी, भरत वस्त्रकार, फागुराम सूर्यवंशी गेंड़ी नृत्य करेंगे प्रभात बंजारे, मनोज माण्डले, घनश्याम ओगरे, लक्ष्मी नारायण माण्डले, थानेश्वर खाण्डे, विनोद रात्रे, सजीत बंजारे तथा फुलचंद ओगरे, साथ मे गेड़ी नृत्य में भागीदारी निभाये।

चक्रधर समारोह में जीवंत हो उठी असम की लोक संस्कृति

❐ बिहू नृत्य की शानदार प्रस्तुति से रोमांचित हुए दर्शक

असम की लोक संस्कृति आज चक्रधर समारोह में जीवंत हो उठी। मेझांकोरी मेघ मोल्लार संस्थान के कलाकारों ने मंच पर असम की इंद्रधनुषी संस्कृति की छटा बिखेरी। दर्शक मंत्रमुग्ध होकर असम की लोक संस्कृतियों का आनंद उठाया।

गौरतलब है कि मेझांकोरी मेघ मोल्लार ने विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है, जिससे असम की सामाजिक-जातीय पहलुओं को लोगों के सामने लाया गया है और लोगों को याद दिलाया गया है कि असम केवल आंखों के सामने से अधिक है। मेझांकोरी मेघमोल्लार एक सांस्कृतिक संगठन है, जिसकी स्थापना 2016 में हुई थी। इस संगठन की स्थापना मणाशी दत्ता और सत्योजीत बोरपट्रागो द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य असम की लोक संस्कृति के लिए कुछ करने का था। तब से, यह असमिया संस्कृति को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के मिशन में बदल गया है।

संस्था ने कुशल, जीवंत युवाओं की एक टीम बनाई और विभिन्न आयोजनों में असमिया लोक संस्कृति को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए प्रदर्शन किया। इस संगठन ने कई कलाकारों को प्रशिक्षित किया है, जिन्होंने इस क्षेत्र में नाम और प्रसिद्धि अर्जित की है। मेझांकोरी मेघमोल्लार ने असम में 400 से अधिक स्टेज शो किए हैं। हमने नई पीढ़ी में हमारी लोक संस्कृति को लोकप्रिय बनाने के लिए कई कार्यशालाओं, विशिष्ट सत्रों और अन्य आयोजनों का भी आयोजन किया है।अपनी 19 सदस्यीय टीम के साथ उन्होंने प्रदर्शन किया। हम असमिया लोक संस्कृति, जिसमें सत्रिया नृत्य, बिहू, मिसिंग, राभा, करबी, देवरी आदि शामिल हैं, की प्रस्तुति से लोगों का प्यार पाया।

राज्यपाल रमेन डेका ने किया कुमार विश्वास सहित अन्य कवियों का सम्मान : अपनी रचनाओं से श्रोताओं से खूब वाहवाही पाई कवियों न

39वें चक्रधर समारोह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने मंच पर काव्य पाठ करने आए विख्यात कवि कुमार विश्वास, पद्मश्री डॉ सुरेन्द्र दुबे, साक्षी तिवारी, सुदीप भोला विनोद दौरा को शॉल,श्रीफ़ल और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। इस दौरान राज्यपाल की धर्मपत्नी रानी डेका,वित्त मंत्री एवं स्थानीय विधायक ओपी चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर-एसपी आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व रायगढ के चक्रधर समारोह में आए कवियों ने अपनी प्रस्तुति, रचना से श्रोताओं से खूब वाहवाही पाई। कवियों ने हास्य और देशभक्ति प्रस्तुति से श्रोताओं को बांधे रखा..।

चक्रधर समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

हमारे समृद्ध अतीत और कला-संगीत की अद्भुत परंपराओं को जीवंत बनाएं रखने का माध्यम है चक्रधर समारोह -महामहिम राज्यपाल रमेन डेका

❐ एक पेड़ माँ के नाम अभियान में शामिल होकर पौधा लगाने की अपील की

रायगढ़

रायगढ़ जिले में विगत 10 दिन से आयोजित चक्रधर समारोह के आज समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि आज इस पावन अवसर पर जब हम सभी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर, चक्रधर समारोह में एकत्रित हुए हैं, मुझे गर्व और हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह मंच न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, बल्कि हमारे समृद्ध अतीत और कला-संगीत की अद्भुत परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

राज्यपाल डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ और असम की संस्कृति में समानता है। ब्रिटिश काल में छत्तीसगढ़ से अनेक लोग असम आए और वहाँ रच-बस गए। राज्यपाल होने के नाते मेरी प्राथमिकता है कि यहाँ की संस्कृति को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि असम को वनांचल क्षेत्र समझा जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। यहाँ की शिक्षा व्यवस्था बहुत प्राचीन है। उन्होंने अतीत में रामायण, महाभारत से संबंधित दीये की रोशनी में खेले जाने वाले नाटकों का उल्लेख करते हुए कहा कि नैतिकता की शिक्षा के साथ नाटक भक्ति मार्ग से जोड़ते थे। भक्ति मार्ग से ही देश-प्रदेश का विकास संभव है। राज्यपाल ने कहा कि भले ही हमारी उपासना पद्धति अलग-अलग है लेकिन हमें समाज के उत्थान के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि यहाँ आने से पूर्व हमने राजा चक्रधर सिंह के विषय में अध्ययन किया तो पाया कि वे एक महान इंसान थे। उन्होंने जो कथक है उसे छत्तीसगढ़ी स्टाइल में स्थापित कर पहचान और मान्यता दिलाई। उनका योगदान 1947 के समय भारत में विलय में भी था। उन्होंने कहा कि यहाँ महासमुंद जिले में पुरातत्व अवशेष भी असम की संस्कृति से मिलता जुलता है।

राज्यपाल डेका ने कहा कि राजा के परिवार को आज नमन है। उन्होंने कहा कि इस मंच से प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर और कला को नई उचाईयां मिलेगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। हम सभी मिलकर इस धरोहर को आने वाले पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखेंगे। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय में भी यह आयोजन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में बहुत खनिज है, खदान है। यहाँ को विकसित बनाएंगे। हमारी प्राथमिकता है कि रायगढ हरा-भरा रहे और पर्यावरण संरक्षण के दिशा में कार्य करते हुए हम सभी एक पेड़ माँ के नाम पर लगाएं।

समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री एवं स्थानीय विधायक ओ.पी.चौधरी ने कहा कि चक्रधर समारोह के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक वैभव को नई उंचाईयां और पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि आईएएस की तैयारी के दौरान इंटरव्यू के समय जब मैं महाराजा चक्रधर सिंह के महत्व को जानने तैयारी कर रहा था तब ज्ञात हुआ कि महाराजा ने जो कथक के पुस्तक की रचना की उसका वजन 32 किलोग्राम था। उन्होंने रायगढ़ घराने को एक नई पहचान दी। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यहाँ की मांग पर कला एवं संगीत महाविद्यालय की स्थापना हेतु प्रयास किया है और आने वाले बजट में यह पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के लिए घोषणा कर दी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कला एवं संगीत सहित छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कार्य किये जाने की बात कहते हुए बताया कि सीएसआर से रायगढ़ में 27 करोड़ रुपये में आधुनिक नालंदा पुस्तकालय की स्थापना की जाएगा। समारोह को राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह एवं लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी रानी डेका, आईजी संजीव शुक्ला, संचालक संस्कृति विभाग विवेक आचार्य, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्यपाल रमेन डेका राष्ट्रगान और राज्यगीत में हुए शामिल

39वें चक्रधर समारोह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने कार्यक्रम स्थल पर भगवान गणेश की वंदना कर और महाराजा चक्रधर जी के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्र गान, राज्य गीत गाए गए। जिसमें वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित सभी अतिथि एवं आम नागरिक शामिल हुए।

हजारों लोगों ने ली स्वच्छता एवं सुपोषण की शपथ

चक्रधर समारोह के समापन अवसर पर राज्यपाल रमन डेका की उपस्थिति पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने समारोह पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता एवं सुपोषण की शपथ दिलाई। इस दौरान समारोह पर उपस्थित माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, शहर के जनप्रतिनिधिगण एवं हजारों नागरिकों ने साल में 100 घंटे स्वच्छता के लिए समर्पित करने की शपथ ली। इसी तरह बच्चों को सुपोषित रखने और खान-पान पर ध्यान देने की शपथ ली। गौरतलब है कि निगम प्रशासन द्वारा 17 से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा, संस्कार स्वच्छता, स्वभाव स्वच्छता अभियान शहर में चलाई जाएगी। इस दौरान केलो महा सफाई अभियान सहित प्रति दिवस विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का करायेगें गृह प्रवेश

❐ नगर निगम सभागृह टाउन हॉल में सीधा प्रसारण

❐ स्वच्छता ही सेवा अभियान का होगा शुभारंभ

❐ महापौर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी पहले दिन शीतला माता मंदिर परिसर में करेंगें श्रमदान, एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत त्रिवेणी परिसर में वृक्षारोपण

राजनांदगांव | आरएनएस

शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित करने की कड़ी में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर 2024 को सुबह 8 बजे शीतला माता मंदिर परिसर में श्रमदान कर और त्रिवेणी परिसर में वृक्षारोपण किया जायेगा। वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत देशभर के 4 लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश किया जायेगा। जिसका दोपहर 12 बजे नगर निगम सभागृह टाऊन हॉल में सीधा प्रसारण होगा। नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भुवनेश्वर ओडिसा राज्य से 17 सितम्बर 2024 को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत देशभर के 4 लाख हितग्राहियों का गृह प्रवेश किया जायेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 23071 हितग्राहियों का गृह प्रवेश प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का नगर निगम द्वारा नगर के हितग्राहियों के लिए टाऊन हॉल सभागृह में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीधा प्रसारण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता के प्रसंग पर स्वच्छता ही सेवा अभियान आयोजित किये जाने शासन निर्देश के अनुक्रम में अभियान के पहले दिन शीतला माता मंदिर परिसर में श्रमदान किया जायेगा। श्रमदान के अलावा स्वच्छता रैली आयोजित की जायेगी। रैली को महापौर हेमा सुदेश देशमुख द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना की जायेगी। इसी कड़ी में सुबह 9 बजे एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत त्रिवेणी परिसर में वृक्षारोपण किया जायेगा। नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने 17 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रमों में सुबह 8 बजे शीतला माता मंदिर परिसर में श्रमदान, 9 बजे त्रिवेणी परिसर में वृक्षारोपण एवं दोपहर 12 बजे टाऊन हॉल सभागृह में आयोजित प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के ऑनलाईन गृह प्रवेश कार्यक्रम में निगम पदाधिकारियों,जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों तथा पत्रकार बंधुओं से उपस्थिति की अपील की है।

छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों में भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर | आरएनएस

प्रदेश में मौसम फिर से बदलने के आसार हैं, और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर शुरू हो सकता है, जिसमें राजधानी रायपुर भी शामिल है। भारतीय मौसम विभाग ने सरगुजा और बिलासपुर संभाग के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इसके अलावा, अन्य क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। कुछ स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने की संभावना भी है, विशेष रूप से उत्तर छत्तीसगढ़ में। 16 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है।

ये है मौजूदा सिस्टम

वर्तमान में एक गहरा अवदाब गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर स्थित है, जो पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए जल्द ही गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक पहुंच सकता है। इसके बाद, यह झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की ओर अगले 48 घंटों में बढ़ने की संभावना है।

मानसून द्रोणिका गंगानगर, हिसार, दिल्ली, शाहजहांपुर, बाराबंकी, मुजफ्फरपुर, और गंगेटिक पश्चिम बंगाल के गहरे अवदाब के केंद्र तक फैली हुई है, और इसके बाद उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

मौसम विभाग की अगले 24 घंटे की भविष्यवाणी

बलरामपुर और सूरजपुर जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। सरगुजा, जशपुर, रायगढ़ और कोरबा जिलों में भी एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। बलरामपुर जिले के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान है।

इन इलाकों में 48 घंटे का पूर्वानुमान

सूरजपुर, जशपुर और कोरबा जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। सरगुजा, कोरिया, रायगढ़, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती और जांजगीर-चांपा जिलों में भी एक-दो स्थानों पर भारी बारिश होने की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480